- गुयॉट या निमग्न द्वीप (Guyot):-

महासागरों में गीऑट महासागरीय पर्वत शिखरों की भाँति है। महासागरीय पर्वत शिखर कोणयुक्त होते हैं, जबकि गीओ का शिखर सपाट होता है। वैसे दोनों की ही उत्पत्ति अन्तः सागरीय ज्वालामुखी उद्गार से होती है। अन्तः सागरीय ज्वालामुखी उद्गारों से निर्मित पर्वत शिखरें जब लहरों की अपरदन क्रिया से सपाट या चौरस हो जाती है तथा उनकी आकृति पठार जैसी हो जाती है और बाद में वे जलमग्न हो जाती हैं, तब वे गुयॉट कहलाती है।

इनके जलमग्न होने के दो कारण होते हैं —

(i) सागर तल का उठना
(ii) ज्वालामुखी द्वीपों का धँसना।

मेनार्ड के अनुमान में प्रशान्त -

महासागर में 10,000 गुयॉट उपस्थित है जिनमें कई 3000 मीटर तक ऊँचे हैं। एटलांटिक महासागर में भी कुछ निमग्न द्वीप पाये जाते हैं। हैस ने इन द्वीपों के खोजकर्ता अर्नोल्ड गुयॉट के नाम पर इन द्वीपों का गुयॉट नाम दिया।

इस तरह महासागरों में उपर्युक्त प्रकार की स्थलाकृतियाँ पाई जाती है। इसके अतिरिक्त भी कई अन्य छोटे-छोटे आकृतियाँ पाई जाती हैं जिसका अध्ययन अभी बाकी है। खोज एवं अन्वेषण कार्य जारी है

— निष्कर्ष (conclusion) :—

उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट होता है कि पृथ्वी के धरातल पर 71% क्षेत्रफल पर जल का विस्तार है। जल के व्यापक विस्तार एवं महत्व को देखते हुए जलमण्डल का अध्ययन अनिवार्य हो जाता है। महासागरों की तली की

आकृति काफी विभिन्नतापूर्ण है। महासागरों में की स्थल भाग की ही तरह अनेक आकृतियाँ पाई जाती है।

महासागरीय तली की विभिन्न आकृतियाँ अपनी अलग-अलग उत्पत्ति व विशेषता को प्रकट करती है। ये सभी आकृतियाँ भौगोलिक दृष्टिकोण से बहुत ही महत्वपूर्ण है। अत: इनका अध्ययन अनिवार्य है।

— मॉडल प्रश्न (Model Questions):—

1. महासागरीय तली की रचना का विस्तृत विवरण दीजिए?

2. महासागरीय तली की आकृतियों से आप क्या समझते है? विभिन्न आकृतियों में क्या अन्तर है? अपना तर्क प्रस्तुत करते हुए इसे समझाइए?